रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 133] नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 13, 2018/चैत्र 23, 1940
No. 133] NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 13, 2018/CHAITRA 23, 1940

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

(कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 2018

फा. सं. 4–4/2017–एनएफएसएम (ई).–मिलेट (ज्वार, बाजरा, रागी आदि) में देश की खाद्य एवं पोषण संबंधी सुरक्षा में योगदान देने की बहुत अधिक क्षमता है और इस प्रकार ये न केवल पोषक तत्वों का भंडार हैं बल्कि ये जलवायु लोचशीलता वाली फसलें भी हैं और इनमें अदभुत पोषण संबंधी विशेषताएं भी हैं;

और जबकि, हाल में किए गए अनुसंधान निष्कर्षों से यह भी पता चला है कि ज्वार-बाजरा आदि में मधुमेह रोधी गुण होते हैं तथा मिलेट आधारित खाद्य पदार्थों में कम जीआई होती है। इससे पोस्ट प्रैंडियल ब्लड ग्लूकोज लेवल तथा ग्लाइकोसिलेटिड हेमोग्लोबिन भी कम होता है।

और जबकि, पोषण संबंधी जरूरत को बेहतर करने के लिए जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) में ज्वार-बाजरा आदि को शामिल करने की जांच के लिए केन्द्र सरकार द्वारा गठित समिति ने मिलेट को देश भर में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में शामिल करने की सिफ़ारिश की है। केन्द्र सरकार ने इस सिफारिशो को स्वीकार कर लिया है।

केन्द्र सरकार एतद्द्वारा सोरघुम (ज्वार), पर्ल मिलेट (बाजरा) फिंगर मिलेट (रागी/मंडुआ) छोटी मिलेट अर्थात् फॉक्सटेल मिलेट (कांगनी/ काकुन), प्रोसो मिलेट (चीना), कोदो मिलेट (कोदो), बर्नयार्ड मिलेट (सावा/सांवा/झंगोरा) छोटी मिलेट (कुटकी) तथा दो स्यूडो मिलेट (काला गेहूं) (कुट्टू) तथा अमेरान्थस (चौलाई), जिनकी पोषक क्षमता बहुत अधिक होती है, को उत्पादन, उपभोग तथा व्यापार के दृष्टिकोण से 'पौष्टिक अनाज' घोषित करती है।

डॉ. बी. राजेन्दर, संयुक्त सचिव (फसलें)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE

(Department of Agriculture, Cooperation and Farmers Welfare)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th April, 2018

F.No. 4-4/2017-NFSM (E).–Whereas, millets hold great potential in contributing substantially to food and nutritional security of the country and thus they are not only a powerhouse of nutrients, but also are climate resilient crops and possess unique nutritional characteristics;

And whereas, recent research findings also show that millets contain anti-diabetic properties and millet based food have low GI and reduces the postprandial blood glucose level and glycosylated haemoglobin;

And whereas, a Committee constituted by the Central Government for examination of inclusion of millets in the Public Distribution System (PDS) for improving nutritional support has recommended for inclusion of millets in PDS across the country and the same has been accepted by the Central Government;

Now, therefore, the Central Government hereby declare millets comprising Sorghum (Jowar), Pearl Millet (Bajra), Finger Millet (Ragi/Mandua), Minor Millets i.e. Foxtail Millet (Kangani/Kakun), Proso Millet (Cheena), Kodo Millet (Kodo), Barnyard Millet (Sawa/Sanwa/ Jhangora), Little Millet (Kutki) and two Pseudo Millets (Black-wheat (Kuttu) and Ameranthus (Chaulai) which have high nutritive value as "Nutri-Cereals" for production, consumption and trade point of view.

Dr. B. RAJENDER, Jt. Secy. (Crops)

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

ALOK KUMAR Digitally signed by ALOK KUMAR Date: 2018.04.16 16:11:34 +05'30'